हैप्पी हाइपोक्सिया (Happy Hypoxia)

sanskritiias.com/hindi/pt-cards/happy-hypoxia

- 'हैप्पी हाइपोक्सिया' उस स्थिति को कहते हैं, **जब मरीज़ का ऑक्सीजन संतृप्ति स्तर निम्न हो जाता है, किंतु उसमें निम्न ऑक्सीजन स्तर के स्पष्ट लक्षण दृष्टिगत नहीं होते** हैं। परिणामस्वरूप बीमारी बढ़ जाने पर फेफड़े गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो जाते हैं।
- **हैप्पी हाइपोक्सिया की स्थिति मुख्यतः युवाओं में देखी जाती** है क्योंकि उनकी रोग-प्रतिरोधकता तुलनात्मक रूप से बेहतर होती है। अतः ऑक्सीजन संतृप्ति स्तर 81 से नीचे आने तक उन्हें साँस लेने में दिक्कत या अन्य तरह की समस्या सामने नहीं आती।
- कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान संक्रमित लोगों में युवाओं की अधिक संख्या को देखते हुए चिकित्सकों ने हैप्पी हाइपोक्सिया की स्थिति की आशंका व्यक्त की है। दरअसल, **कोरोना के नए वेरिएंट में रैश, डायरिया, नेत्र-शोथ, जोड़ो के दर्द जैसे नए लक्षण देखे जा रहे हैं;** जिनका उल्लेख आर.टी.- पी.सी.आर. संबंधी राज्य या केंद्र के प्रोटोकॉल में नहीं है।
- बेहतर रोग-प्रतितिरोधक क्षमता के अतिरिक्त भारत में अधिकांशतः परिवार के युवा सदस्य आर्थिक गतिविधियों में संलग्न होते हैं, अतः उनके संक्रमित होने की संभाव्यता स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है। **युवाओं के विपरीत वृद्ध लोगों में ऑक्सीजन संतृप्ति स्तर 92 आने पर हाइपोक्सिया के लक्षण दिखने लगते** हैं।

Covid19

IAS / PCS
Online Video Course
सामान्य अध्ययन
+
वैकल्पिक विषय
(इतिहास एवं भूगोल)
Online
Learning
Programme
JOIN NOW
15% Discount for
Next 500 Students

IAS / PCS
Pendrive Course
सामान्य अध्ययन
+
वैकल्पिक विषय
(इतिहास एवं भूगोल)
15% Discount for Next
500 Students